इण्टरमीडिएट परीक्षा–2012
विषय – हिन्दी
प्रथम प्रश्नपत्र

समय – 3 घण्टे पूर्णांक–50

प्रश्न 1(क)– भाषा योग वाशिष्ठ के रचनाकार का नाम लिखिए। 1

(i) मुंशी सदासुख लाल। (ii) मुंशी इंशा अल्ला खाँ।
(iii) राम प्रसाद निरंजनी। (iv) पं0 लल्लू लाल।

(ख) 'हिन्दी प्रदीप' नामक मासिक पत्रिका पं0 बालकृष्ण भट्ट ने प्रकाशित की। यह किस युग की पत्रिका है। 1

(i) भारतेन्दु युग (ii) द्विवेदी युग (iii) शुक्ल युग (iv) छायावादोत्तर युग

(ग) नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना किसने की? 1

(i) बाबू श्याम सुन्दर दास (ii) गोविन्द नारायण मिश्र
(iii) सरदारपूर्ण सिंह (iv) मिश्रबन्धु

(घ) 'एकांकी–सम्राट' कहा जाता है – 1

(i) राम कुमार वर्मा को (ii) सेठ गोविन्द दास को
(iii) हरिकृष्ण प्रेमी को (iv) मोहन राकेश को

(ड.) 'ध्रुवस्वामिनी' किस विधा की रचना है? 1

(i) उपन्यास (ii) नाटक (iii) एकांकी (iv) कहानी

प्रश्न 2(क) आदि काल की दो प्रमुख प्रवृत्तियां लिखिए। 2

(ख) किन्हीं दो छायावादी रचनाकारों के नाम तथा उनकी एक–एक रचना लिखिए। 2

(ग) 'जयचन्द्र प्रकाश' किसकी रचना है? 1

(i) चन्दबरदायी (ii) नरपति नाल्ह (iii) भट्ट केदार (iv) विद्यापति

प्रश्न 3(क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए: 1+6=7

(i) और वह रूपया बिना बुद्धि बढ़े न बढ़ेगा। भाइयों! राजा–महाराजाओं का मुँह मत देखो, मत यह आशा रखो कि पंडित जी कथा में ऐसा उपाय बतलावेगें कि देश का रूपया और बुद्धि बढ़े। तुम आज ही कमर कसो, आलस छोड़ो। कब तक अपने को जंगली, हूस, मूर्ख, बोदे डरपोकने पुकरवाओगे? दौड़ो, इस घुड़ दौड़ में जो पीछे पड़े तो फिर कहीं ठिकाना नहीं।

(ii) भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी, परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए नये प्रयोगों की, नयी भाव–योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों के खोज की महती आवश्यकता है।